Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to start skill development and entrepreneurship programme in Uttarakhand based on the potential of natural resources of the State.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): उत्तराखण्ड सामरिक रुप से महत्वपूर्ण प्रदेश है जो दो-दो विदेशी सीमाओं से घिरा हुआ है । प्रतिदिन प्राकृतिक आपदाओं से जूझता यह संवेदनशील नवोदित प्रदेश भारी पलायन की मार झेल रहा है । प्रदेश में 67 प्रतिशत भू-भाग वनों से घिरा होने के कारण स्थिति ज्यादा दुष्कर हो गयी है । इस पलायन से हजारों गाँव वीरान हो गए हैं । जहां एक ओर यह पलायन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है वहीं दूसरी ओर सामाजिक और आर्थिक विषमता को जन्म दे रहा है । प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी इसमें आग में घी का काम कर रही है । दुर्भाग्य से केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न कौशल विकास योजनाएं इन क्षेत्रों में सफल नहीं हो पा रही हैं । पर्वतीय क्षेत्र की पारिस्थितिकीय, भौतिक और मानव संसाधन के अनुरुप कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता है । ऐसी स्थिति में मेरा मानना है कि उत्तराखंड सहित समस्त हिमालयी राज्यों में वन आधारित उद्योग, जड़ी-बूटी उत्पादन, फ्लोरीकल्चर, मशरुम उत्पादन, आर्गेनिक खेती, फल उत्पादन, सब्जी उत्पादन, जैव प्रौद्योगिकी, ईको टूरिज्म, आध्यात्मिक टूरिज्म, गैर-परम्परागत ऊर्जा उत्पादन, आर्गेनिक दुग्ध उत्पादन, शहद उत्पादन आदि के क्षेत्रों में कौशल विकास उद्यम कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि इन क्षेत्रों में सरकार कार्य करे तो सामरिक सुरक्षा होने के साथ-साथ पलायन की समस्या से निजात मिलेगी तथा संपूर्ण हिमालय क्षेत्र का सामाजिक, आर्थिक उत्थान हो सकेगा ।